भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अपने संस्थापक अध्यक्ष, एयरवाइस मार्शल एच.एम. शाहुल ए वी एस एम, वी एस एम को अपनी श्रद्धांजलि प्रदान किया जाना ।

नई दिल्ली, 26 मई, 2017 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अपने पूर्व- अध्यक्ष - एयर वाइस मार्शल एच.एम. शाहुल ए वी एस एम, वी एस एम को श्रद्धांजलि प्रदान की । उन्होंने संगठन को विकसित किया और टेकऑफ की प्रारंभिक अवस्था में एक मजबूत नींव रखी, 1 जून, 2016 को लंदनमें 80 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया और 1 जून, 2017 को नई दिल्ली में उनके सम्मान में एक यादगार व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है ।

एयर वाइस मार्शल एच. एम. शाहुल एक महान प्रशासक, एक आदर्श, थे जो एक विरासत और उपलब्धियों एवं पुरस्कारों की मीठी यादें छोड़ गए हैं, जो कि हर समय उत्साहित करती रहेंगी। इस अवसर पर डॉ0 नसीम जैदी भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त मुख्य अतिथि हैं ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 08/2017-18

संपादक के लिए नोट :

एयर चीफ मार्शल एच.एम. शाहुल, ए वी एस एम, वी एस एम यंतिम श्वास तक हसमुख व्यक्तित्व सहित कांतिमान आंखों तथा जोश से भरे हुए थे, जो हमेशा सेवा के लिए तत्पर मिलनसारतथा सामाजिकअवसरो पर सबका साकार करते थे, सेवा के दौरान सेना से सेवानिवृत्रि के बाद तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में वे एक महान व्यक्तित्व के स्वामी थे असाधारण स्मरण शक्ति तथा सृजनात्मक लेखन उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी और व दृठ विश्वास से दर्शको को (impress) कर देते थे जीवन से भरे महान् व्यक्तित्व के स्वामी, जिनके पास हमेशा दूसरो के लिए समय रहता था उनका 1 जून, 2016 को लंदन में स्वर्गवास हुआ दुनिया उन्हें हमेशायाद करेगी ।

भारतीय वायुसेना में उनका एक विशिष्ट कैरियर था, जिसमें डी एनएस सी पर हॉट एयर,एयर असिस्टेड कमडिंग ए एफ स्टेशन, तीबरम थे । सेवानिवृहित के बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पहले अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया । वे बहुत ही महान् अध्यक्ष थे जो कि एक मजबूत नीव रखने के लिए उत्तरदायी थे जिसने आज भा वि प्रा को एक अच्छी स्थिति में रखा है। बाद में वे सफल लेखक बने, उनकी सृजनात्मक लेखन, भाषाओं को सीखने तथा अभूतपूर्व स्मरण शक्ति सराहनीय है ।

80 वर्ष की आयु में भी वे नियमित रूप से गोतफ खेलते थे एवं उनका स्वास्थ्य अच्छा था। वास्तव में, वे लंदन में अपने पुत्र के पास रहने गए थे । वे शास्त्रीय music तथा गजल के avid (उत्सुक) follower थे ।

एयर चीफ मार्शल एच.एम. शाहुल ए वी एस एम, वी एस एम, ने रक्षा अध्ययन में मद्रास विश्वविद्यालय से स्नातकोतर किया था तथा वे इंडियन काऊँसिल ऑफ मैनेजमेंट एक्यूटिव मुंबई के फेलो (Fellow) ऑल इंडिया मैनेजमेंट (एसोशिएसव) के फेलो तथा एयरोनोटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के फेलो थे तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के (Alumni) थे । 1957 में सेना में भर्ती के बाद एयरचीफ मार्शलनेपरिवहन सपोर्ट प्रचालन में 5000 घंटो की उड़ान की तथा सीमा में 1962, 1965 तथा 1971 के युद्धों में भाग लिया ।

उन्होंने हमेशा ही जिम्मेवाद तथा सम्मानिता कमांड पर कार्य किया तथा रक्षा सेवा स्तफॅ महाविद्यालय, विलिंगटन, नीलग्रीस की शिक्षण faculty का कार्य भी शामिल है । अभूतपूर्व सेवातथा कर्तव्यपरायणता हेतु उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवा मॅडल (वी एस एम) पुरस्कार दिया गया ।

रक्षा सेवाओं से सेवा निवृत्ति के बाद, उन्होंने राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में सदस्य प्रचालन के रूप में कार्यभार ग्रहण किया तथा उसके बाद उन्हें नवनिर्मत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा इस पद पर वे सेवा कैरियर के अंत तक रहे ।

उस समय देश में नागर विमानन एक बहुत से जटिल दौर से गुजर रहा था तथा एयर चीफ मार्शलने अशांत समय में संगठन का संचालन कर इसे स्वयं पोषणीय मंच पर लाए । उनके काल की परियोजनाएं तथा नीतियां आज तक मजबूत तथा वैद्य है तथा आधुनिक विमान यातायात नियंत्रण तथा संचार प्रणाली के प्रतिष्ठापन के अलावा देश में आधुनिक हवाईअड्डों के विकास करने में वे एक सशक्त शक्ति थे ।

देश में एयर स्पेक्ष तथा विमान विकास के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए सिविल सोसायटी ने उन्हें राष्ट्रीय नागरिक अवार्ड से सम्मानित किया एवं यह अवार्ड उन्हें सम्मानित मदर टेरेसा ने दिए । एयर चीफ मार्शल ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से सेवानिवृति के बाद, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक कार्यों हेतु अनेक प्रतिष्ठित पैनलो तथा शैक्षणिक (pursuits) पर कार्य किया । उन्होंने देश में एयरलाईसओं के बोर्ड तथा अन्य संगठनों में कार्य किया ।

एयर चीफ मार्शल एच.एम. मार्शल शाहुल ए वी एस एम, वी एस एम ने अपने हाथ से भा वि प्रा सेवानिवृत्त अधिकारी फोरम को (Nurtured) किया था हर तरह से सहायता दी । आज वे हमारे बीच में नहीं है परन्तु उनकी (spirit) तथा (wisdom) हमारे सभी के मन में है तथा आने वाले समय में हमारे पर्थ प्रदर्शक के रखा है ।

एयर चीफ मार्शल एच.एम. मार्शल शाहुल ए वी एस एम, वी एस एम एक महान प्रशासक, एक महान व्यक्ति तथा जान पहचाने वाले लोगों के लिए आदर्श थे वे एक ऐसी विरासत छोड़ कर गए है जिसका अनुसरण करना तथा (emulate) करना अत्यंत कठिन है ।

नागर तथा सैन्य सेवाओं के दौरान उनके द्वारा बनाया गया रोडनॅप आने वाले वर्षों में याद एवं (cherished) किया जाएगा ।